ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-24 अंक-23 मार्च-I-2022 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

विशाल डायमण्ड हॉल में अंबादास दानवे ने कहा

योग से जुड़ने के बाद व्यक्ति के जीवन में निश्चित तौर पर परिवर्तन आता है

शांतिवन-आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन के डायमण्ड हॉल में आयोजित स्नेह मिलन समारोह में महाराष्ट्र विधान परिषद् के सदस्य व शिवसेना पार्टी के प्रवक्ता अंबादास दानवे ने कहा कि राजयोग व योग से जुड़ने के बाद व्यक्ति के जीवन में निश्चित तौर पर परिवर्तन आता है। संस्था की ओर से 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' जो देशव्यापी अभियान शुरु किया गया है, ऐसे अभियान

ही भारत में स्वर्णिम युग लाने के सपने को साकार कर सकते हैं। जिंदल ग्रुप ऑफ स्कूल व हॉस्पिटल की डायरेक्टर दीपिका जिंदल ने कहा कि मेडिटेशन के अभ्यास से मेरी ज़िन्दगी में इतने बदलाव आए हैं जिन्हें मैं बता नहीं सकती हूँ। ब्रह्माकुमारीज़ वास्तव में समाज में बदलाव के लिए कई सराहनीय अभियान चला रही है। अध्यात्म का संदेश देने के लिए जिंदल ग्रुप के सभी स्कूलों, हॉस्पिटल्स और कंपनियों में भी समय-समय पर मोटिवेशनल वर्कशॉप, सेमिनार, आध्यात्मिक प्रवचन और राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा ब्रह्माकुमारी बहनों के माध्यम से दी जाती है। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय का सम्मान शिवसेना के प्रवक्ता दानवे और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के राष्ट्रीय सचिव डॉ. दीपक हरके ने किया। इस दौरान डेली ईन्यूज़ पेपर की एडिटर ब्र.कु. सुप्रिया को भी सम्मानित किया गया।

भय पर विजय से होगा मौके का सही उपयोग

राष्ट्रीय शहीद दिवस पर ई-संगोष्ठी

नई दिल्ली-लोधी रोड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय शहीद दिवस के पावन अवसर पर आयोजित 'निर्भयता और निश्छलता है वीरों की विशेषता' विषयक 82वीं साप्ताहिक ई-संगोष्ठी में राजयोगी ब्र.कु. पीयूष,जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ने कहा कि हमारे वीर शहीदों ने भारत माता को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त किया था। आज हम स्वतंत्र हैं लेकिन हम अपनी आदतों के गुलाम हैं। सच्ची स्वतंत्रता तभी आएगी जब हम अपने मन के मालिक बन जाएंगे, और इसके लिए मेडिटेशन करना सीखें। योग से हमारे अंदर योग्यता आती है। परमात्मा ने हमें सिखाया है कि हमें निश्छल और निर्भय रहना है। अंदर बाहर एक रहने वाला व्यक्ति ही निर्भय और निश्छल रह सकता है। वाइस एडमिरल बिमल वर्मा,सेवानिवृत्त पूर्व कमांडर-इन-चीफ,अंदमान और निकोबार कमान ने कहा कि सेना में सैनिक विजय प्राप्त करने के लिए स्वयं को सदैव सक्षम रखते हैं। इसके लिए उनके पास धारणाएं होती हैं, लक्ष्य होता है, अभ्यास होता है। उन्होंने कहा कि भय एक

वास्तविक और नैसर्गिक भावना है। यह बहुत शक्तिशाली है और सभी जीवात्मा के साथ बहुत लंबे समय से जुड़ा है। भय पर विजय पाने की प्रक्रिया का नाम ही साहस है। इसी के बल पर हम मौके का सही उपयोग कर पाते हैं। ब्र.कु. संजीव कुमार,निरीक्षक, दिल्ली पुलिस, नई दिल्ली ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में आने के बाद यह महसूस हुआ कि शक्तियां या ताकत किसी को मारने में नहीं बल्कि किसी को बचाने में होती हैं। अधिकारों के लिए तो सभी लड़ते हैं लेकिन जो कर्त्तव्य की बलिवेदी पर प्राण न्योछावर करता है उसे ही शहीद कहा जाता है। इसके लिए निर्भयता बहुत आवश्यक है। कर्मों की गति को समझ कर हम शाश्वत अनुशासन को प्राप्त कर सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ में बताए गए आत्मा और परमात्मा के संबंध के आधार पर व्यक्ति निर्भय बन सकता है। राजयोगिनी ब्र.कु. गिरिजा बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ने कहा कि देश की सेवा में ऐसे लोग ही आगे आ सकते हैं जिनके मन में निर्भयता हो। इसी प्रकार यदि व्यक्ति के मन में छल, कपट और बेईमानी हो तो वो भी कोई महान कार्य नहीं कर पाता। देखा जाए तो हम भी युद्ध के मैदान में हैं। हमारे चारो तरफ काम वासना, क्रोध, अहंकार जैसे शत्रु खड़े हैं, हमें उन सब से मुकाबला करते हुए अपने जीवन में पवित्रता, प्रेम और सहिष्णुता जैसे गुणों का विकास करना है। इन्हें दिव्य गुण कहा जाता है। दिव्य गुणों के आधार पर ही हम अपने जीवन को सफल बना सकेंगे।

पेड़-पौधे भी समझते हैं हमारी भावनाएं

धमतरी-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस पर किसान के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. देवराज भाई ने कहा कि किसानों की कड़ी मेहनत की बदौलत हम अन्न ग्रहण करते हैं। किंतु आज बहुत अधिक रासायनिक खाद के प्रयोग के कारण धरती माता बंजर होती जा रही है। शाश्वत यौगिक खेती आज की आवश्यकता है। श्रीमति तारिणी चंद्राकर,सभापति,कृषि जिला पंचायत ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों के द्वारा किसानों को शाश्वत यौगिक खेती सिखाने के लिए बहुत प्रयास किये जा रहे हैं, ये बहुत ही सराहनीय है। लीलाराम साहू,प्रदेश संयोजक,किसान यूनियन ने कहा कि पहले गोबर खाद का ही प्रयोग ज़्यादा होता था। आज रासायनिक दवाइयों के कारण शुगर, बी.पी., कैंसर आदि अनेक बीमारियाँ हो रही हैं। श्रीमति कविता बाबर,सभापति,वन समिति ने कहा कि मैं किसान की बेटी हूँ, बहु हूँ, पत्नी हूँ इस पर मुझे गर्व है। श्रीमति सिन्धु बहन,पूर्व जनपद अध्यक्ष ने कहा कि ज़्यादा फसल के चक्कर में हम अपने अन्दर बीमारियाँ भरते जा रहे हैं। उन्होंने अपना अनुभव सुनाया कि मैं खुद दो एकड़ में जैविक खेती करती हूँ। उसका अनाज, सब्जी का टेस्ट और खुशबू बहुत ही अच्छी है। ब्र.कु. पूनम दीदी,इंदौर ने सबको शाश्वत यौगिक खेती करने के लिए प्रेरित किया। श्रीमति धनेश्वरी साहू, जनपद सदस्य ने भी अपने विचार रखे। राजयोगिनी ब्र.कु. सरिता दीदी,ज़ोनल कोऑर्डिनेटर, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग,इंदौर ने कहा कि हमें शरीर की इम्युनिटी के साथ आत्मा की भी इम्युनिटी बढ़ानी है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 2008 से शाश्वत यौगिक खेती अभियान चलाया जा रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े हजारों किसान ये खेती कर रहे हैं। ये किसान अपने खेतों में किसी भी प्रकार की रासायनिक दवाइयों का प्रयोग नहीं करते हैं। राजयोग के शक्तिशाली प्रयोग से ही पौधों का संरक्षण करते हैं। पेड़-पौधे भी हमारी भावनाएं समझते हैं, आखिर वे भी तो हमसे दुलार मांगते हैं। हम अन्न का सम्मान नहीं करेंगे तो वह हमारा भी सम्मान नहीं करेंगे। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. नवनीता बहन ने किया।

- कार्यक्रम में करीब 100 किसानों का तिलक, गमछा, हार और पगड़ी पहनाकर किया गया सम्मान
- नृत्य नाटिका 'सशक्त किसान देश की शान' की हुई प्रस्तुति

हज़ारों किसान कर रहे शाश्वत यौगिक खेती

सादाबाद-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में आगरा सह क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. कविता दीदी,भरतपुर ने कहा कि किसान को भारत की आत्मा कहा जाता है। किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करता है, तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। यदि भारत को उन्नतिशील और सबल राष्ट्र बनाना है तो पहले किसानों को आत्मनिर्भर बनाना होगा। मुरसान के पूर्व चेयरमैन गिर्राज किशोर शर्मा ने कहा कि अब किसानों को जागरुक होने की आवश्यकता है। किसानों को ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाए जा रहे शाश्वत यौगिक खेती का अपनी फसल में प्रयोग करना चाहिए। परमात्मा की याद में उपजाया हुआ अन्न बहुत शुद्ध और पवित्र होता है। इसके अलावा उन्होंने सरकारी योजनाओं से भी किसानों को अवगत कराया। आगरा क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी ने शाश्वत यौगिक खेती के बार में बताते हुए कहा कि हमारे पूर्वज गोबर की खाद और गोमूत्र का प्रयोग अपनी फसल में किया करते थे। जिस कारण अन्न बहुत शुद्ध, साफ और ताकतवर होता था। ब्रह्माकुमारीज़ का कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग सुधार के लिए कई नीतियां प्रस्तुत की। स्थानीय संचालिका ब्र.कु. भावना बहन,ज़ोनल कोऑर्डिनेटर,

सभी किसान साथियों को शाश्वत यौगिक खेती करने की प्रेरणा दे रहा है। इसका प्रैक्टिकल उदाहरण है हज़ारों किसान विशेषकर पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र और राजस्थान आदि में शाश्वत यौगिक खेती का प्रयोग कर रहे हैं। हाथरस ग्राम विकास प्रभाग ने कहा कि राजयोग ध्यान के माध्यम से यौगिक खेती ऐसी कृषि पद्धति है जिसमें मन को परमात्मा से जोड़कर राजयोग की शक्ति का प्रयोग न केवल मनुष्य आत्माओं पर बल्कि जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों

राष्ट्रीय किसान दिवस पर किसान के सम्मान में कार्यक्रम

जनपद प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. सीता दीदी ने कहा कि आज के दिन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी का जन्मदिन है। प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारतीय किसानों के जीवन में पर करते हुए संपूर्ण प्रकृति को चार्ज किया जा सकता है। इस विधि से अनेक किसानों ने अपना जीवन परिवर्तन किया है। सभी किसान भाइयों ने भी अपने विचार रखे। उन्हें शॉल, पुष्प और ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया गया।